A Panchtantra story

Class Objective : I will be able to learn panchatantra story.

Concept A: Definition of Panchtantra :

पंचतन्त्र के कहानियों की रचना लगभग दो हजार साल पूर्व आचार्य विष्णु शर्मा द्वारा की गई थी। पंचतन्त्र की कहानियों को पांच तंत्रों अर्थात् भागों में बांटा गया है इसीलिये कहानियों के इस संग्रह को पंचतन्त्र कहा जाता है। आज नीतिकथाओं में पंचतन्त्र की कहानियों को प्रथम स्थान प्राप्त है इसी कारण अभी तक विश्व की लगभग 50 भाषाओं में इनका अनुवाद किया जा चुका है। (panchatantr ke kahaaniyon kee rachana lagabghag do hazaar saal poorv aachaary vishnu sharma dvaara kee gae the | panchatantr kee kahaaniyon ko paanch tantron arthaat bhaagon mein baanta gaya hai iseeliye kahaaniyon ke is sangrah ko panchatantr kaha jaata hai | aaj neetikathaon mein panchatantr kee kahaaniyon ko pratham sthaan praapt hai isee kaaran abhee tak vishv kee lagabghag 50 bhaashaon mein inaka anuvaad kiya ja chuka hai |)

Concept B: पंचतन्त्र के भाग (भेद) - Parts of Panchatantra -

पंचतन्त्र को पांच तंत्रों अर्थात् भागों में बनाया गया है ये हैं-

- मित्रभेद – मित्रों में मनमुटाव और अलगाव की कहानियां। इसमें पिंगलक नामक शेर और संजीवक नामक बैल की दोस्ती में दुष्ट सियार द्वारा शत्रुता उत्पन्न करने का वर्णन है।
- मित्रसम्प्राप्ति (मित्रलाभ) – योग्य मित्र मिलने पर उसके लाभ। इसमें कौआ, हिरन, चूहा और कछुआ अपनी मित्रता के कारण एक दूसरे पर आए संकटों से मुक्ति पाते हैं और आपसी मित्रता का सुख भोगते हैं।
- काकोलुकीयम् – कौवे और उल्लुओं की कहानियां। इसमें बतलाया गया है कि जो व्यक्ति शत्रु और रोग की उपेक्षा करता है उसका अंत निकट होता है।
- लब्धप्रणाश – हाँथ में आई वस्तु का हाँथ से निकल जाना। इसमें वानर और मगरमच्छ की कहानी है जिसमें वानर अपनी की चतुराई से जान बचा लेता है और मगर के हाँथ आया भोजन निकल जाता है।
- अपरीक्षित कारक – किसी भी कार्य को बिना सोच-विचार के हड़बड़ी में नहीं करना चाहिये, जिसके बारे में परखा न गया हो उसे करने के पहले सावधानी रखना चाहिये। इसमें नेवला ब्राम्हण के पुत्र की रक्षा करता है और ब्राम्हण की पत्नी बिना सोचे विचार किये नेवले को मार कर पछताती है। इन पांचों पागों में ऊपर दी गई कहानियों के अतिरिक्त भी कई कहानियां हैं।

Concept C: Pehla Tantra-Mitrabhed (Mitron Mein Manmutav Evam Algav).

Siyar Aur Dhol-सियार और ढोल-पंचतंत्र

QUESTION 1

Which of the following is NOT a characteristic of a good leader?

ANSWER

- 1. Selfish
- 2. Humble
- 3. Empathetic

QUESTION 2

- 1. A leader should be someone who is always right and never wrong.
- 2. A leader should be someone who is always confident and never uncertain.
- 3. A leader should be someone who is always strong and never weak.

QUESTION 3

- 1. A leader should be someone who is always honest and never dishonest.

QUESTION 4

Which of the following is NOT a characteristic of a good leader?

Which of the following is NOT a characteristic of a good leader?

ANSWER

- 1. Selfish
- 2. Humble
- 3. Empathetic

QUESTION 5

QUESTION 1

Which of the following is NOT a characteristic of a good leader?

ANSWER

- 1. Charismatic
- 2. Visionary
- 3. Authoritarian

QUESTION 2

- 1. A leader should be someone who is naturally charismatic and confident.
- 2. A leader should be someone who is naturally confident and charismatic.
- 3. A leader should be someone who is naturally confident and charismatic.

QUESTION 3

- 1. A leader should be someone who is naturally confident and charismatic.

QUESTION 4

Which of the following is NOT a characteristic of a good leader?

Which of the following is NOT a characteristic of a good leader?

ANSWER

- 1. Charismatic
- 2. Visionary
- 3. Authoritarian

QUESTION 5